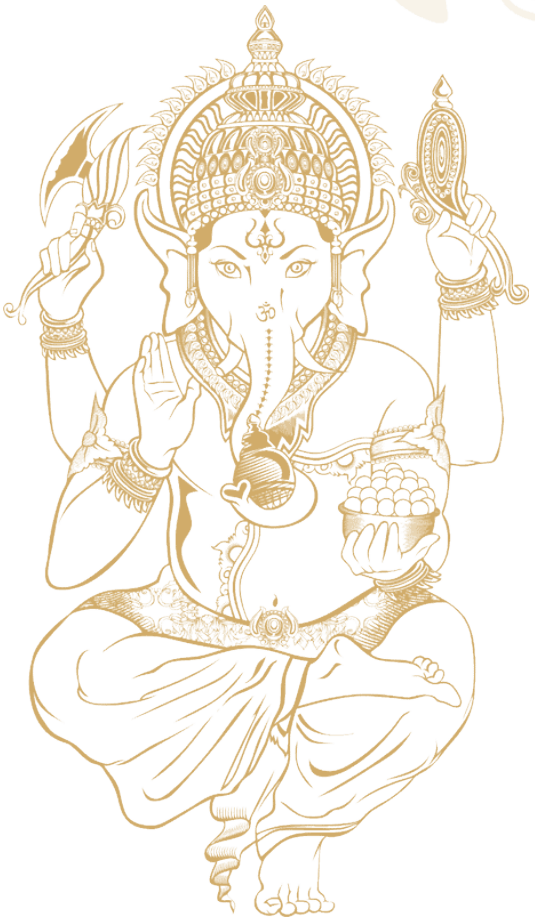

Rohit Jagrti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121660403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
8-09/08/1999	जन्म तिथि	17/12/2001
रवि-सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:40:00	जन्म समय	13:22:59 घंटे
घटी 51:40:48	जन्म समय(घटी)	15:24:38 घटी
India	देश	India
Ajmer	स्थान	Jaipur
26:29:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:40	सूर्योदय	07:09:19
19:13:08	सूर्यास्त	17:36:21
23:50:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 3वर्ष 0मा 6दि	07:35:15	मिथु	लग्न	मीन	20:08:24	सूर्य 4वर्ष 3मा 5दि
शनि	22:01:40	कर्क	सूर्य	धनु	01:33:37	राहु
15/08/2018	17:45:49	मिथु	चंद्र	मक	00:31:20	24/03/2023
15/08/2037	21:35:58	तुला	मंगल	कुंभ	12:15:47	24/03/2041
शनि 18/08/2021	05:08:56	कर्क	बुध	धनु	08:29:26	राहु 04/12/2025
बुध 27/04/2024	10:42:26	मेष	गुरु व	मिथु	18:43:16	गुरु 29/04/2028
केतु 06/06/2025	09:23:55	सिंह व	शुक्र	वृश्चि	24:49:04	शनि 06/03/2031
शुक्र 06/08/2028	22:56:20	मेष	शनि व	वृष	16:29:31	बुध 22/09/2033
सूर्य 19/07/2029	19:06:58	कर्क	राहु	मिथु	03:16:07	केतु 11/10/2034
चन्द्र 17/02/2031	19:06:58	मक	केतु	धनु	03:16:07	शुक्र 10/10/2037
मंगल 28/03/2032	20:55:25	मक व	हर्ष	मक	27:57:34	सूर्य 04/09/2038
राहु 02/02/2035	08:45:57	मक व	नेप	मक	13:05:14	चन्द्र 05/03/2040
गुरु 15/08/2037	13:55:04	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:36:47	मंगल 24/03/2041

लग्न-चलित

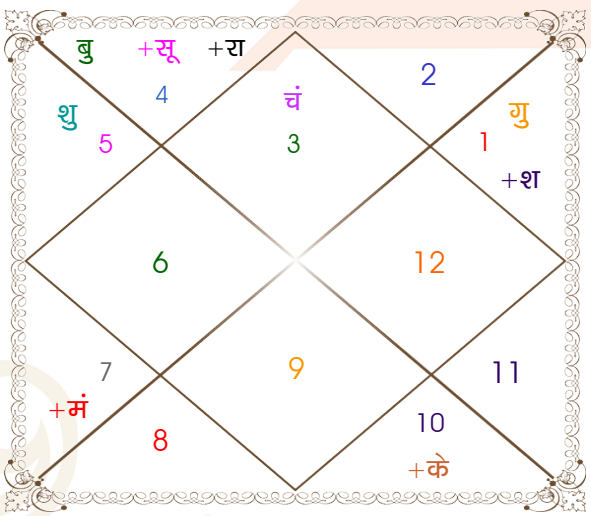

लग्न-चलित

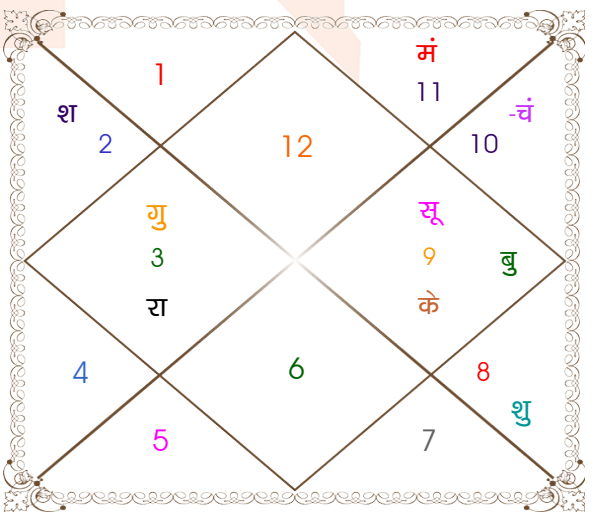

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Rohit का वर्ग सिंह है तथा Jagrti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rohit और Jagrti का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Rohit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Jagrti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Rohit कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rohit तथा Jagrti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।